कक्षा-आठवीं

हिंदी (Higher)

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-2 **अधिकतम अंक 80**

अंक विभाजन एवं उत्तर संकेत

सामान्य निर्देश : यदि परीक्षार्थी ने ऐसा कोई सही उत्तर लिखा हो जो इस उत्तर संकेत में न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	निर्धारित अंक	कुल अंक
	खंड-'क' (अपठित बोध)		
1.	**गद्यांश-1**		
	(i) (क) दिशाहीन एवं व्यर्थ	1	
	(ii) (ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता है।	1	
	(iii) (ख) लक्ष्य-निर्धारण कर उसे प्राप्त करने के लिए प्रयास करना	1	
	(iv) – सर्वप्रथम लक्ष्य-निर्धारण – आत्मविश्वास एवं धैर्य द्वारा उसे पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास	2	
	(v) – लक्ष्य के बिना कुछ भी प्राप्त करना असंभव – लक्ष्य के ज्ञान के बिना रास्ते का कोई अर्थ नहीं – लक्ष्य निर्धारण कर उसे प्राप्त करने का प्रयास करे	2	7
2.	**गद्यांश-2**		
	(i) (ख) प्रत्येक काम को महत्त्व देकर गहराई से समझें	1	
	(ii) (ग) अंर्तमन में सदैव जिज्ञासा	1	

	(iii) (ख) व्यक्ति को शारीरिक व मानसिक रूप से क्रियाशील रखती है।	1	
	(iv) – प्रश्न हमारे जीवन को गतिशील बनाते हैं। – प्रश्नों के बिना जीवन में कोई रस नहीं होगा। – जब हम चिंतन करते हैं, तब नई बातें सामने आती हैं।	2	
	(v) – इस दुनिया और इसकी प्रत्येक घटना, वस्तु एवं स्थिति पर अपना आश्चर्य प्रकट करते हैं। – प्रत्येक घटना और वस्तु से परे हटकर सोचने और उसको देखने की कोशिश करते हैं।	2	7
	खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)		
3.	(क) (i) बंधन (ii) मुँह	1	
	(ख) (i) स्वर्ण (ii) भ्रष्ट	1	
	(ग) (i) सद् + भाव	1	
	(घ) बुढ़ापा	1	4
4.	(क) वृक्ष, पेड़	1	
	(ख) निराकार	1	
	(ग) अनुकरणीय	1	3
5.	(क) एकैक	1	
	(ख) उत् + मेष	1	2
6.	(क) (i) घर-घर, अव्ययीभाव समास	1	
	(ii) चतुर्मुख, बहुव्रीहि समास	1	
	(ख) पढ़ाई और लिखाई, द्वंद्व समास	1	3
7.	(क) मिश्रित वाक्य	1	
	(ख) निषेधवाचक	1	2

8.	(क) अतिशयोक्ति अलंकार	1	
	(ख) उपमा अलंकार	1	2
9.	(क) ''दादी, दादी! मम्मी ने आपकी साड़ियाँ प्रेस करवाकर भेजी हैं।''	2	2
10.	(क) कानों कान खबर न हुई	1	
	(ख) उल्लू सीधा करने	1	2
	खंड-'ग' (पाठ्यपुस्तक)		
11.	(क) (iii) कस्तूरबा गाँधी की गलती को सार्वजनिक करने के कारण	1	
	(ख) (iv) किसी के भी दोष को नहीं छिपाना	1	
	(ग) (iv) सार्वजनिक रूप से दोषों को स्वीकार कर क्षमा माँगना	1	
	(घ) (i) न्याय करते समय सबको समान दृष्टि से देखना चाहिए	1	
	(ङ) (i) पत्नी का दोष उजागर करके भ्रष्टाचार के पाप से बच जाना	1	5
12.	(क) (iv) सच्चे हृदय से भक्ति करना	1	
	(ख) (ii) सूर्य प्रभा	1	
	(ग) (iv) नीलमणि पर्वत पर पड़ने वाली प्रात:कालीन किरणों के समान	1	
	(घ) (i) मन की प्रवृत्ति चंचल होती है	1	
	(ङ) (ii) कृष्ण	1	5
13.	(कोई पाँच)		
	(क) • दृढ़-विश्वास द्वारा सफलता • हेलेन केलर का उदाहरण/प्रसंग	2	

	(ख) • दरबारियों द्वारा दारा को बेईमान बताना		
	• शाह का दारा को ईमानदार मानना	2	
	(ग) • बच्चों के पास खेलने का अधिक अवकाश होना	2	
	• पंक्तिबद्ध होकर सोना-सोना पुकारना और छलांग लगाना		
	(घ) • लेखक उनका इकलौता पुत्र था	2	
	• वे डरती थीं कि गलत संगति में न पड़ जाए या उसे चोट न लग जाए		
	(ङ) • बातचीत में मुस्कान प्रसन्नता, सद्भावना और मैत्री बढ़ाती है।		10
	• परेशानी, उदासी, निराशा आदि को दूर करती है।	2	
	(च) • स्वतंत्रता आंदोलन के प्रसिद्ध नेता गाँधी जी के बारे में बताया।		
	• अत्याचार के सामने दबना नहीं चाहिए।	2	
	• अंग्रेजों के काम में सहयोग न देना।		
14.	(कोई तीन)		
	(क) • वृक्षों के पत्ते गिर गए।		
	• पत्र विहीन वृक्ष कंकाल के समान हो गए।	2	
	(ख) • स्वतंत्रता सबको प्रिय होती है।		
	• ईश्वर ने उन्हें स्वतंत्र जीवन जीने के लिए पंख दिए हैं।	2	
	(ग) • निर्माण का अर्थ है-सृजन या निर्माण		
	• रचनात्मकता का महत्त्व और समाज में सकारात्मक बदलाव।	2	
	(घ) • श्रीराम चंद्र जी ठुमक-ठुमक कर चलते थे तो उनकी पायल बजती थी।		
	• किलकारियाँ भरते हुए भागते और गिर जाते फिर सारा शरीर मिट्टी से लथपथ हो जाता।	2	6

	खंड-'घ' (रचनात्मक लेखन)		
15.	अनुच्छेद		
	• भूमिका	1	
	• विषय-वस्तु	3	
	• भाषायी शुद्धता	1	5
16.	पत्र		
	• प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ	1	
	• विषय-वस्तु	3	
	• भाषायी शुद्धता	1	5
17.	संवाद		
	• विषय वस्तु/अभिव्यक्ति	3	
	• संवादों की क्रमबद्धता	1	
	• भाषायी शुद्धता	1	5
18.	सूचना लेखन		
	• प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ	1	
	• विषय-वस्तु	3	
	• भाषायी शुद्धता	1	5